सं भो.वि./एफ.डी./296-83/1118 — पूंकि राज्यपाल, हरियाणा की राय है कि मैसर्ज जनता इन्जिनियरिंग, वी.सी.आई. लि., मेहरु ग्राऊंड, एन आई.टी., फरीदाबाद, के श्रमिक श्री नीज़रू दीन तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इस कें बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई भौद्योगिक विवाद है;

भौर चूं कि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, ग्रब, ग्रोद्योगिक विवाद ग्राधिनियम, 1947 की घारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा राज्य सरकार द्वारा उसत ग्राधिनियम की धारा 7(क) के ग्राधीन ग्रीद्योगिक ग्राधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित मामले श्रमिक तथा प्रबन्धकों के मध्य न्यायनिर्णय के लिए निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री नीजरू दीन की <mark>सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ?</mark> यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं. श्रो.वि./एफ.डी./303-83/1125. चूकि राज्यपाल, हरियाणा की राय है कि मैसर्ज प्रेक मैटल पेन्टिंग वर्कंस, प्लाट नं० 59, सैक्टर 24, फरीदावाद, के श्रमिक श्रीमित सिवती देवी तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई भौद्योगिक विवाद है;

भौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, ग्रब, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा राज्य सरकार द्वारा उक्त ग्रिधिनियम की धारा 7(क) के प्रधीन ग्रौद्योगिक ग्रिधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट विवादप्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित मामले श्रमिक तथा प्रवन्धकों के मध्य न्यायनिर्णय के लिए निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्रीमित सिवती देवी की सेवाश्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत की हकदार है?

सं. भ्रो.वि./एफ.डी./291-83/1132.---चूंकि राज्यपाल, हरियाणा की राय है कि मैसर्ज मैंटलाज इण्डस्ट्रीज, प्लाट नं० 223, सैक्टर 24, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री छवीला प्रशाद तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई भौद्योगिक विवाद है;

भौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

' इसलिए, ग्रब, ग्रोद्योगिक विवाद ग्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा राज्य सरकार द्वारा उक्त ग्रधिनियम की धारा 7(क) के ग्रधीन ग्रोद्योगिक ग्रिधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित मामले श्रमिक तथा प्रवन्धकों के मध्य न्यायनिर्णय के लिए निरिष्ट करते हैं:—

क्या श्री छवीला प्रशाद की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं ग्रो.वि./एफ.डी./292-83/1139. — चूंकि राज्यपाल हरियांणा की राय है कि मैसर्ज भाग्य लक्ष्मी चिटस इन्वैस्टमैंट प्रा०लि०, 1डी-22, एन.प्राई.टी., फरीदाबाट, के श्रमिक श्री राम देव मिश्रा तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीशोगिक विवाद है :

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं ;े

इसलिए, ग्रव, ग्रीबोगिक विवाद अधिनियम, 1947 की घारा 19 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान को गई मिल्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा राज्य सरकार द्वारा उक्त ग्रिधिनियम की घारा 7(क) के ग्रधीन ग्रीबोगिक ग्रिधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट निवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित मामले श्रीमक तथा प्रवन्धकों के मध्य न्यायनिर्णय के लिये निदिष्ट करते हैं :—

क्या श्री राम देव मिश्रा की सेवामों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?